B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-III

[Classical Sanskrit Literature (Prose)]

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The questions are of equal value.
The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as applicable.

अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *दश*प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। प्रतिविभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य *दश* प्रश्नानाम् उत्तरं समाधीयताम्। 2×10=20

(निम्नलिखित प्रश्नগুলি থেকে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী হরফে লিখতে হবে। প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

'क'-विभागः

'ক' বিভাগ

1. (क) दशकुमारचरितस्य कियन्तः विभागाः सन्ति?
   দশকুমারচরিতের কয়টি বিভাগ আছে?

   (ख) दर्पसारः अनुजं कीर्तिवर्माणं प्रति कथं क्रुद्धः जातः?
   দর্পসার অনুজ কীর্তিবর্মার প্রতি ক্রুদ্ধ ছিলেন কেন?

   (ग) 'रूपमन्तः कलाभिमानी' कः आसीत्?
   'রূপমন্তঃ কলাভিমানী' কে ছিলেন?

   (घ) अवन्तिसुन्दरी पूर्वजन्मनि का आसीत्?
   অবন্তিসুন্দরী পূর্বজন্মে কে ছিলেন?

   (ङ) रौप्यशृङ्खलं केन कुत्र च प्राप्तम्?
   রৌপ্যশৃঙ্খলটি কে কোথায় পেয়েছিলেন?

'ख'-विभागः

বিভাগ–'খ'

   (क) कादम्बरीकाव्यस्य टीकाकारद्वयस्य नाम लिखतु।
   কাদম্বরী কাব্যের দুজন টীকাকারের নাম লেখো।

   (ख) 'सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः'— कः कं एवमुक्तवान्?
   'সততমমূলমন্ত্রশম্যো বিষমো বিষয়বিষাস্বাদমোহঃ'—কে কাকে একথা বলেছেন?

(ग) 'पक्वमिदानीं त्वत्पादपद्मपरिचर्याफलम्'- कस्या उक्तिरियम्? कस्य पादंपद्मं तया सेवितम्?

'पक्वमिदानीं त्वत्पादपद्मपरिचर्याफलम्'—উক্তিটি কার? কার পাদপদ্ম তিনি সেবা করেছিলেন?

(घ) 'विरला: हि तेषामुपदेष्टार:'– केषामुपदेष्टार: विरला: कथं च?

'विरला: हि तेषामुपदेष्टार:'—কাদের উপদেষ্টারা বিরল এবং কেন?

(ङ) 'अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्'– यौवनप्रभवं तम: कथं अतिगहनम्?

'अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्'— কেন 'तमो यौवनप्रभवम्' অতি গহন?

'ग'-विभाग:

বিভাগ–'গ'

(क) चूर्णकं नाम किम्?

চূর্ণক কাকে বলে?

(ख) आख्यायिकाप्रकारकं गद्यकाव्यं किम्?

আখ্যায়িকা শ্রেণির গদ্যকাব্য কী?

(ग) वाणभट्टस्य आविर्भावकाल: क:?

বাণভট্টর আবির্ভাবকাল কী?

(घ) प्रभाकरवर्धन: क: आसीत्?

প্রভাকরবর্ধন কে ছিলেন?

(ङ) 'सिंहासनद्वात्रिंशिका'-इत्यत्र द्वात्रिंशिकाशब्देन का: बोध्या:?

'সিংহাসনদ্বাত্রিংশিকা' শব্দের দ্বারা কাদের বোঝানো হয়েছে?

2. अध:स्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु द्वयं संस्कृतभाषया समाधेयम्। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির যে কোনো চারটির উত্তর দাও। তন্মধ্যে যে কোনো দুটির সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(क) मातृभाषय अनुवाद: क्रियताम्।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

''पश्यतु पतिमद्यैव शुलावतंसितमियमनार्य्यशीला कूलपांसनी'' इति निर्भर्त्सय भीषणभ्रूकुटिदूषितललाट: काल एव काललोहदण्डकर्कर्शेण बाहुदण्डेनावलम्ब्य हस्ताम्बुजे रेखाम्बुजरथाङ्गलाञ्छने राजपुत्रं सरभसमाचकर्ष।

(ख) मातृभाषया अनुवाद: कार्य:।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

कुसुमशरशरप्रहारजर्ज्जारिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्। अकारणञ्च भवति दुष्प्रकृते: अन्वय: श्रुतं वा विनयस्य। चन्दनप्रभव: न दहति किम् अनल:? किं वा प्रशमहेतुना अपि न प्रचन्डतरी भवति वडवानल: वारिणा?

(গ) অধস্তাত্ কস্যচিদেকস্য সংক্ষিপ্তা টিপ্পণী বিধেয়া।
(নীচের যেকোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।)
হিতোপদেশ:, হর্ষচরিতম্, বেতালপঞ্চবিংশতি:

(ঘ) অবন্তিসুন্দর্য্যা: ক্রন্দনাত্ কন্যান্ত:পুরস্য কীদৃশী অবস্থাং জাতা?
অবন্তিসুন্দরীর ক্রন্দনহেতু কন্যান্তঃপুরের অবস্থা কিরকম হয়েছিল?

(ঙ) 'যৌবনারম্ভে চ প্রায: শাস্ত্রজলপ্রক্ষালননির্মলাপি কালুষ্যমুপযাতি বুদ্ধি:' উক্তে: তাত্পর্যং কিম্?
'যৌবনারম্ভে চ প্রায: শাস্ত্রজলপ্রক্ষালননির্মলাপি কালুষ্যমুপযাতি বুদ্ধি:'— উক্তিটির তাৎপর্য কী?

(চ) সপ্রসঙ্গং সরলসংস্কৃতভাষয়া ব্যাখ্যায়তাম্।
সপ্রসঙ্গ সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা লেখো।
'তমোপহস্ত্বাদত্তো জ্ঞানপ্রদীপ:'

3. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথেচ্ছং প্রশ্নদ্বয়ং লিখ্যতাম্। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(ক) ভবতা পাঠ্যাংশমবলমব্য 'দণ্ডিন: পদলালিত্যম্'- ইতি সমালোচকবাক্যস্য যাথার্থ্যং নিরূপ্যতাম্।
'দণ্ডিন: পদলালিত্যম্' —তোমাদের পাঠ্যাংশ অবলম্বনে এই সমালোচক বাক্যের যাথার্থ্য নিরূপণ করো।

(খ) 'পঞ্চতন্ত্রম্', 'বাসবদত্তা'-দ্বয়ো: গ্রন্থয়ো: বিষয়ে আলোচনা করণীয়া।
'পঞ্চতন্ত্রম্', 'বাসবদত্তা' —এই দুটি গ্রন্থ সম্পর্কে আলোচনা করো।

(গ) 'রাজবাহনচরিতম্' ইতি আখ্যানে চণ্ডবর্মণ: চরিতম্ বর্ণ্যতাম্।
'রাজবাহনচরিতম্' —এই আখ্যানভাগে চণ্ডবর্মার চরিত্র বর্ণনা করো।

(ঘ) চন্দ্রপীডং প্রতি শুকনাসস্য উপদেশ: স্বভাষয়া বর্ণ্যতাম্।
চন্দ্রাপীড়ের প্রতি শুকনাসের উপদেশ নিজের ভাষায় বর্ণনা করো।